सेवा में,

कुलपति,
कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय,
कुरुक्षेत्र।

विषय : जनवरी 2006 के बाद नियुक्त शिक्षकों के प्रमोशन सम्बन्धी।

श्री मान जी,

सादर निवेदन है कि सरकारी सहायता-प्राप्त कॉलेजों में जनवरी 2006 के बाद नियुक्त शिक्षकों के प्रमोशन के केस काफी देर से रुके हुए हैं। हम पिछले कई महीनों से कॉलेज-ब्रांच को इसके लिए मौखिक निवेदन कर रहे हैं। लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हो रही। जबकि जून 2013 तक API स्कोर के बिना ही AGP 6000 से AGP 7000 में प्रमोशन होनी है। इस तरह के केसों को तुरन्त मंगवाकर निपटाया जाए। बाकी केसों के बारे में भी तेजी से कार्यवाही की जाए।

सधन्यवाद।

भवदीय

(डॉ. रविन्द्र गासो)

सेवा में,

कुलपति,
कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय,
कुरुक्षेत्र।

विषय : कॉलेज शिक्षकों की समस्याएं/मॉगें।

श्रीमान जी,

सादर निवेदन है कि हरियाणा कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन शिक्षा व शिक्षकों से जुड़े मुद्दों को प्रशासन के सामने लगातार उठा रही है। इनमें से कुछेक पर तो कार्यवाही हुई है - इसके लिए आपके प्रति आभार प्रकट करते हैं।

लेकिन ज्यादातर माँगें अभी भी लम्बित हैं। आशा है कि आप इन पर तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे।

1. शिक्षकों के प्रमोशन के केस तुरन्त निपटाए जायें। इसके लिए अलग से भी ज्ञापन दिया जा रहा है।
2. पीएच.-डी. सम्बन्धी तीन माँगें :-
   क. स्थाई कॉलेज व विश्वविद्यालय शिक्षकों के लिए पीएच.-डी. प्रवेश हेतु पृथक (अलग) प्रवेश-परीक्षा का प्रावधान किया जाये।
   ख. स्थाई कॉलेज व विश्वविद्यालय शिक्षकों के लिए प्रत्येक विभाग में पृथक सीटों का प्रावधान किया जाये।
   ग. स्थाई कॉलेज शिक्षकों को पीएच.-डी. गाईड बनने की स्वीकृति दी जाये। गुणात्मकता से कोई भी समझौता न हो और यह भी कि निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा दिए जा रहे गुणात्मकता सम्बन्धी बोगस तर्कों का प्रशासन दृढ़ता से जवाब दे।
3. कॉलेजों की संचालन समितियों (Governing Bodies) में शिक्षकों का प्रतिनिधित्व दोगुना किया जाये।
4. कॉलेजों की संचालन समितियों (Governing Bodies) में कुलपति-प्रतिनिधि अन्य कॉलेजों से वरिष्ठ शिक्षकों को लगाया जाये।

5. कॉलेजों में चयन समितियों आदि में कॉलेज शिक्षकों को विश्वविद्यालय शिक्षकों के बराबर प्रतिनिधित्व दिया जाये। इस मामले में आपने कुछ नाम शामिल किए हैं- जिसके लिए हम आभारी हैं।
6. सम्बद्ध कॉलेज शिक्षकों की विषयानुसार वरिष्ठता-सूची तैयार की जाये। अगर यह लिस्ट पहले से तैयार है तो उसे सार्वजनिक किया जाए। बोर्ड-ऑफ-स्ट्डीज (BOS) में कॉलेज शिक्षकों की नियुक्ति सम्बन्धी प्रक्रिया और वरिष्ठता सूची को भी अविलम्ब सार्वजनिक किया जाये।
7. स्नातक (UG) व स्नातकोत्तर (PG) बोर्ड-ऑफ-स्ट्डीज के ढाँचों का विद्यार्थी-केन्द्रित पुनर्गठन किया जाये और इनमें कॉलेज शिक्षकों का अनुपात बढ़ाया जाये।
8. जिस आधार पर विश्वविद्यालय 'कोर्ट' से एक कॉलेज शिक्षक विश्वविद्यालय कार्यकारिणी-परिषद (E.C.) में चुनकर जाता है। उसी आधार पर हमारी मॉग है कि विश्वविद्यालय 'अकादमिक-परिषद' से एक कॉलेज शिक्षक द्वारा विश्वविद्यालय 'कार्यकारिणी-परिषद' (E.C.) में प्रतिनिधित्व करने का प्रावधान किया जाये।
9. हरियाणा कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन प्रदेश के 96 सरकारी सहायता-प्राप्त कॉलेजों के शिक्षकों का प्रतिनिधित्व करती है। विश्वविद्यालय की वैधानिक संस्थाओं ; कोर्ट, ए.सी.,ई.सी. में कॉलेज शिक्षकों का प्रतिनिधित्व तो है लेकिन हर बार हमें एसोसिएशन का दृष्टिकोण विभिन्न मुद्दों पर प्रशासन को बताना पड़ता है और कई बार इन संस्थाओं के किन्हीं निर्णयों पर बाद में एसोसिएशन गंभीर आपत्तियां भी उठाती है। हमारा निवेदन यह है कि इन तीनों वैधानिक संस्थाओं में हमारी एसोसिएशन से प्रधान या महासचिव में से किसी एक को मनोनीत करने का प्रावधान किया जाये।
10. कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कैम्पस में हरियाणा कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन का कार्यालय स्थापित किया जाये। हमें कैम्पस में मीटिंग करने और प्रतिदिन कॉलेज शिक्षकों के कैम्पस में आवागमन के समय इसकी जरूरत महसूस होती है। हरियाणा गवर्नमेंट कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन के साथ हमें संयुक्त कार्यालय में भी कोई आपत्ति नहीं।
11. **परीक्षाओं सम्बन्धी माँगें :**

क. परीक्षा-तंत्र में बदलाव के लिए विशेषज्ञ-समिति का गठन किया जाये। जो सभी सम्बन्धित से गहन विचार चर्चा करे। समिति के अधिकार, क्षेत्र व समय-सीमा निर्धारित हो।

ख. परीक्षा-ड्यूटी व मूल्याँकन-केन्द्रों के लिए शिक्षकों से बाकायदा पहले विकल्प लिए जायें। जहां तक सम्भव हो शिक्षकों की ड्यूटी उन्हीं के कॉलेजों में न लगाई जाए और पार्ट-टाईमर्स की डयूटी भी कम से कम लगाई जाए और अगर लगानी भी पड़े तो उन्हें दूसरे कॉलेजों में भेजा

जाये। **एडिड-कॉलेज शिक्षकों की ड्यूटी प्रोफैशनल सैल्फ फाईनेंस कॉलेजों में बिल्कुल प्रतिबन्धित की जाये।**

ग. प्रश्न-पत्र बनाने पर मानदेय का भुगतान नगद या 15 दिन के अन्दर-अन्दर किया जाए।

घ. रिजल्ट, गोपनीय और संचालन शाखा में बेहतर आपसी तालमेल की व्यवस्था की जाये ताकि बेहतर परीक्षा संचालन हो सके।

च. परीक्षा सम्बन्धी किसी भी मानदेय का भुगतान दो महीने के अन्दर-अन्दर सुनिश्चित किया जाये।

छ. प्रेक्टिकल परीक्षाओं को गम्भीरता से आयोजित किया जाये।

ज. तीसरे व पॉचवे सेमेस्टर में प्रवेश के लिए पिछले सेमेस्टरों के आधे पेपर पास होने अनिवार्य किए जायें।

झ. परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त अग्रिम-राशि भेजी जाये ताकि सभी को मानदेय का तुरन्त भुगतान किया जा सके। कई केन्द्रों पर साल-साल भर भुगतान बकाया रहता है।

12. विश्वविद्यालय 'कला-परिषद' का पुनर्गठन किया जाये। इसे और अधिक लोकतान्त्रिक, सृजनात्मक, विद्यार्थी केन्द्रित बनाने की मजबूत व्यवस्था बनाई जाये।

13. कॉलेजों के अकादमिक वातावरण में सैमेस्टर-प्रणाली की जरूरतों के अनुसार गति, ताज़गी और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना के निर्माण के लिए निवेदन है कि कॉलेजों में **आकादमिक स्टॉफ-कौंसिल** और **डिपार्टमेंट-कौंसिल** को वैधानिक रूप दिया जाये।

14. एच.सी.टी.ए. के अनुरोध पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा सेमेस्टर प्रणाली में सुधार के लिए करवाई महत्वपूर्ण वर्कशाप के आयोजन के लिए हम आपके प्रति आभार प्रकट करते हैं। निवेदन है कि इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाये।

हमें आशा है कि आप इन मॉगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्यवाही करेंगे।

सधन्यवाद।

भवदीय

(डॉ. रविन्द्र गासो)